gramme in Buddhist Countries like Japan, Korea, Thailand; Burma and Sri Lanka?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM (SHRIMATI USHA SINGH): (a) In order to strengthen tourism infrastructure at places of Buddhist interest connected with the life of Lord Buddha in the States of Bihar and Uttar Pradesh, the Government of Japan have agreed to J provide a loan assistance amounting to nearly Rs. 110.00 crores. The work on the project includes construction of National Highways, State roads, setting up of hotels, wayside amenities, land-scaping, augmentation of water supply etc. The work on the project has already started.

As regards identification and development of tourist infrastructure facilities at places other than in the States of UP and Bihar, a second Task Force was constituted which has submitted its report. The recommendations of this report have been sent to the State Governments, Archaeological Survey of India and other agencies for implementation.

(b) Besides traditional Buddhist circuits, steps are being taken to promote new extension circuits in the Buddhist countries by the Government of India Tourist Offices and Diplomatic missions.

कलकत्ता में पर्यटन मंत्रियों का सम्मेलन

श्री शंकर दयाल सिंह : क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की पा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में कलकत्ता में पूर्वी राज्यों के पर्यटन मंत्रियों का सम्मेलन हुआ था ; और

(ख) यदि हां, तो पूर्वांचल में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उक्त सम्मेलन में क्या-क्या निर्णय लिए गये ?

16 6.

पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उषा सिंह) : (क) और (ख) बैठक के दौरान, "भारत पर्यटन वर्ष 1991" मनाने के लिए संबंधित राज्य सरकारों द्वारा की गई कार्रवाई और केन्द्र द्वारा सहायता प्राप्त परियोजनाओं/स्कीमों की प्रगति की समीक्षा की गई ।

साहित्य के प्रकाशन पर किया गया खर्च

167. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों में पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन संबंधी साहित्य के प्रकाशन पर कितनी धनराशि खर्च की गई ;

(ख) खर्च की गई धनराशि का वर्षवार ब्यौरा क्या है तथा हिन्दी-अंग्रेजी प्रकाशनों की बाबत विवरण क्या है ; और

(ग) क्या इनमें से कोई प्रकाशन बिक्री हेतु भी उपलब्ध है या सभी प्रकाशन नि:शुल्क वितरण के लिए हैं ?

पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उषा सिंह) : (क) पर्यटन विभाग द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान पर्यटन साहित्य के प्रकाशन पर 1228.63 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

(ख) व्यय का वर्ष-वार ब्यौरा इस प्रकार है :--

(लाख रुपयों में)

1987-88	286.63
1988-89	349.00
1989-90	593.00

हिन्दी-अंग्रेजी प्रकाशनों के ब्यौरे विवरण में दिए गए हैं **(नीचे देखिए)** ।

(ग) पर्यटन विभाग अपना साहित्य नि:शुल्क वितरित करता है ।